सांध्य दैनिक 4PM

अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे तो इसका कुछ मूल्य है अन्यथा, ये सिर्फ बुराई का एक ढेर है, और इससे जितना जल्दी छुटकारा मिल जाये उतना बेहतर है -स्वामी विवेकानंद

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 221 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 20 सितम्बर, 2022

सोनिया से मिला निष्पक्ष चुनाव का... 7
लोक सभा चुनाव : प्रदेश में नए... 3
संघ के फीडबैक पर काम करेगी... 2

स्वास्थ्य सेवाओं पर सदन में घमासान

बृजेश पाठक को लेकर भिड़े अखिलेश और योगी

विधान सभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को लेकर नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव और नेता सदन योगी आदित्यनाथ आमने-सामने आ गए। अखिलेश ने जहां खराब स्वास्थ्य सेवाओं का हवाला देते हुए सरकार पर निशाना साधा वहीं योगी आदित्यनाथ ने नेशनल हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के साथ पूर्व सपा सरकार की कार्यप्रणाली और तत्कालीन स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए पलटवार किया।

स्वास्थ्य सेवाओं को निजी हाथों में सौंपना चाहती है सरकार : अखिलेश

» मेडिकल स्टाफ की कमी तो क्यों नहीं हो रही भर्ती

» स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध नहीं डॉक्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने आज सदन में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर सरकार के पास बजट नहीं है तो मुख्यमंत्री को स्वीकार करना चाहिए। सरकार सभी स्वास्थ्य सेवाओं को प्राइवेट कर देना चाहती है जिससे इलाज आम लोगों से दूर हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार कहती है कि स्टाफ नहीं है तो भर्ती करें। पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पताल में डॉक्टरों को उपलब्ध करवाएं। सरकार मुफ्त इलाज का वादा करती है लेकिन सभी तरह की जांच प्राइवेट हाथों में दे रही है। हर चीज का पैसा लिया जा रहा है। अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि कहा जाता है कि दिल्ली वाले मदद नहीं करते हैं। दिल्ली वालों को समझाना चाहिए कि दिल्ली की सरकार यूपी से बनती है।

सपा सरकार में सबसे अधिक बदहाल रहीं स्वास्थ्य व शिक्षा सेवाएं : योगी

» पिछले साढ़े पांच साल में किया सुधार

» जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने को सरकार प्रतिबद्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नेता सदन और सीएम योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि पर उपदेश कुशल बहुतेरे...दूसरों को उपदेश देना बहुत आसान है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से प्रदेश में चार बार सपा की सरकार रही है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में पिछले साढ़े पांच साल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नेशनल हेल्थ सर्वे के आंकड़े भी इसकी गवाही दे रहे हैं।

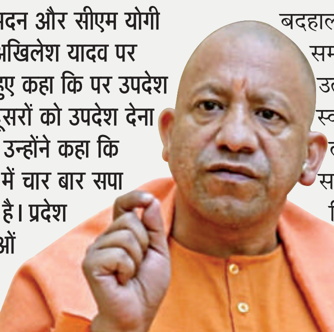

उन्होंने कहा कि पहले इंसेफेलाइटिस से हर साल सैकड़ों मौतें होती थीं पर साल दर साल मौतों में कमी होते-होते इस बार एक भी मौत नहीं हुई है। प्रदेश की शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की जितनी बदहाली तथाकथित समाजवादियों ने की उतनी किसी ने नहीं की। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर हो सकता है वह करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। नेता प्रतिपक्ष को सच बोलना चाहिए।

नियम पर नेता प्रतिपक्ष स्पीकर आमने-सामने

उत्तर प्रदेश विधान सभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन आज स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा कराने को लेकर सपा सदस्यों ने हंगामा किया और वेल में आ गए। सुबह 11 बजे जब कार्यवाही शुरू हुई तो नेता प्रतिपक्ष और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं ठप हैं। पहले स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा हो। स्पीकर सतीश महाना ने कहा कि किस नियम में आप यह मुद्दा उठाना चाहते हैं। अखिलेश ने नियम 311 का हवाला दिया। महाना ने कहा कि यह नियम क्या है। आप जानते हैं तो बता दीजिये। अखिलेश ने कहा कि अगर हम नियम नहीं जानते तो आप बता दीजिये। इस पर पूर्व विधान सभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय व वरिष्ठ सदस्य लाल जी वर्मा ने नियमों का हवाला दिया। अखिलेश ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं पर मानवाधिकार आयोग ने सरकार को नोटिस दे रखा है। महाना ने कहा कि नियम 311 को मैं अग्राह्य करता हूं। इस पर सपा सदस्य वेल में आकर हंगामा करने लगे और नारे लगाए कि तानाशाही की सरकार नहीं चलेगी। स्पीकर ने कहा कि आप लोग अपनी सीट पर जाएं। आपकी बात सुनी जाएगी। इस बीच संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि ऐसी कोई विषम परिस्थिति नहीं है कि नियम 311 निलंबित कर इस मुद्दे पर चर्चा कराई जाए। इस दौरान सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे। बाद में स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रश्न काल के बाद नियम 56 के तहत चर्चा कराने पर सपा मान गई और 15 मिनट देरी से प्रश्नकाल शुरू हो पाया।

सदन से वॉकआउट

नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सेवाओं पर नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव द्वारा किए गए सवालों का सदन में जवाब दिया। नेता सदन की बात खत्म होने के तुरंत बाद अखिलेश यादव ने कहा कि मैं नेता सदन के जवाबों से संतुष्ट नहीं हूं। इसके बाद उन्होंने सदन से वॉकआउट कर दिया।

विपक्ष को धरना-प्रदर्शन न करने देना भाजपा की तानाशाही : मायावती

» सपा के पैदल मार्च रोके जाने के बाद बसपा प्रमुख ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने प्रदेश की योगी सरकार पर एक बार फिर हमला किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष के खिलाफ तानाशाही प्रवृत्ति अपना रही जो घातक है।

उन्होंने ट्वीट किया, विपक्षी पार्टियों को सरकार की जनविरोधी नीतियों व उसकी निरंकुशता तथा

जुल्म-ज्यादती आदि को लेकर धरना-प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं देना भाजपा सरकार की नई तानाशाही प्रवृति हो गई है। साथ ही, बात-बात पर मुकदमे व लोगों की गिरफ्तारी एवं विरोध को कुचलने की बनी सरकारी धारणा अति-घातक है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था आदि के प्रति यूपी सरकार की लापरवाही के विरुद्ध धरना-प्रदर्शन नहीं करने देने व उनपर दमन चक्र के पहले भाजपा जरूर सोचे कि विधान भवन के सामने बात-बात पर सड़क जाम करके जनजीवन ठप करने का उनका क्रूर इतिहास है। गौरतलब है कि सपा ने विधानमंडल सत्र के पहले दिन विधान भवन की ओर पैदल मार्च किया तो उन्हें पुलिस ने रोक दिया था।

कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की सरगर्मियां तेज

भारत जोड़ो यात्रा के बीच सोनिया ने वेणुगोपाल को बुलाया दिल्ली

» कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव संगठन हैं वेणुगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के अध्यक्ष के चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गयी हैं। कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव 17 अक्टूबर को होना है। इस पद की रेस में राहुल गांधी, अशोक गहलोत और शशि थरूर का नाम चल रहा है। इसी बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल को पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने दिल्ली बुलाया है।

केसी वेणुगोपाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा में भाग ले रहे हैं। यात्रा के बीच में ही केसी वेणुगोपाल को दिल्ली बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि वेणुगोपाल को कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव पर चर्चा के लिए राजधानी बुलाया गया है।

संघ के फीडबैक पर काम करेगी योगी सरकार

» शिक्षा-आर्थिक और सुरक्षा के क्षेत्र में सुधार के सुझाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दो दिन तक चली समन्वय बैठक में सामने आई आर्थिक, शैक्षिक, सामाजिक और सुरक्षा के क्षेत्र की जमीनी हकीकत पर मुख्यमंत्री आवास पर सरकार, भाजपा और संघ की समन्वय बैठक में मंथन हुआ। सरकार ने वैचारिक संगठनों से मिले फीडबैक पर विभागवार सुधार का आश्वासन दिया है। वहीं वैचारिक संगठन भी आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सरकार के कामकाज और उपलब्धियों को उनसे जुड़े क्षेत्रों के लोगों के बीच रखेंगे। संघ की ओर से रविवार से निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में दो दिवसीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया।

आर्थिक समूह की बैठक में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, श्रम मंत्री अनिल राजभर सहित सरकार के मंत्री शामिल हुए। बैठक में सहकार भारती, भारतीय किसान यूनियन, लघु उद्योग भारती सहित अन्य संगठनों ने भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और संघ के क्षेत्रीय प्रचारक अनिल कुमार व अन्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में फीडबैक रखा। वैचारिक संगठनों ने श्रम कानूनों में सुधार का सुझाव देते हुए बताया कि श्रम विभाग के अधिकारी संगठन को बिलकुल सहयोग नहीं करते है। वहीं सहकारिता विभाग की ओर से खाद वितरण सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। सहकार भारती ने पैक्स को बहुपयोगी बनाने का सुझाव दिया। लघु उद्योग स्थापित करने में विभिन्न विभागों की एनओसी नहीं मिलने और जीएसटी से जुड़ी हुई समस्याएं भी रखी गईं। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने आश्वासन दिया कि आर्थिक मामलों से जुड़ी समस्याओं और सुझावों पर वह 15 दिन बाद फिर बात करेंगे। सरकार के स्तर से जो भी समाधान हो सकेगा वह अवश्य किया जाएगा। वहीं शैक्षिक समूह की बैठक में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने नए शिक्षकों की भर्ती और शिक्षकों के अंतर्जनपदीय तबादलों में हुई गड़बड़ी जैसे मुद्दे उठाए। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विश्वविद्यालयों से जुड़ी हुई समस्याओं को रखा।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर फीडबैक महत्वपूर्ण

सूत्रों के मुताबिक संघ और भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 की जमीनी तैयारियां शुरू कर दी है। संघ वैचारिक संगठनों से मिले फीडबैक के आधार पर कील-कांटे दुरुस्त करना चाहता है। जिससे भाजपा के साथ सरकार की चुनावी राह भी आसान की जा सके। दो दिन तक चली समन्वय बैठक में सामने आए सुझावों पर सोमवार शाम मुख्यमंत्री के साथ हुई समन्वय बैठक में चर्चा की गई। संघ के पदाधिकारियों ने भी किसानों, श्रमिकों, शिक्षा, उद्योग एवं व्यापार से जुड़े फीडबैक की जानकारी दी। करीब एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में सरकार ने संघ के फीडबैक के आधार पर विभिन्न विभागों के स्तर से उचित समाधान का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने भी सरकार के दूसरे कार्यकाल की छह महीने की उपलब्धियों सहित आगामी योजनाओं को रखा।

सरकारी जमीन के मदरसे खुद चलाए सरकार : शफीकुर्रहमान

» सपा सांसद ने मदरसा सर्वे पर सरकार को दी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

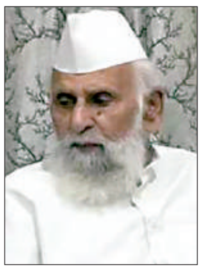

लखनऊ। संभल से सपा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा कि सरकार मदरसों के सर्वे के जरिए मुसलमानों को खौफजदा करने का काम कर रही है। सरकार यदि अच्छा काम करना ही चाहती है तो मदरसों को मदद करे और उन्हें आगे बढ़ाए। सपा सांसद ने कहा कि जो मदरसे सरकारी जमीन पर बने हैं उनको किसी भी सूरत में तोड़ा न जाए। सरकार उन मदरसों को अपने हाथ में लेकर मदरसा का संचालन करे। मौलाना मदनी के बयान पर अपना जवाब कुछ अलग अंदाज में दिया। मौलाना मदनी ने कहा था कि जो मदरसे सरकारी जमीन पर हैं उन्हें तोड़ दिया जाए।

इस पर सांसद ने कहा कि मौलाना साहब ने ऐसा क्यों कहा यह वह ही जाने लेकिन मेरी राय है कि मदरसे तोड़े न जाए। उन्होंने कहा कि यह सर्वे मुसलमानों में भय पैदा करने के लिए है। सरकार यदि साफ तरीके से काम करना चाहती है तो खौफ की जगह प्यार बांटे। स्वास्थ्य व शिक्षा को लेकर भी उन्होंने तल्ख टिप्पणी की। बोले कि शिक्षा किसी भी मुल्क की ताकत होती है। इसे मजबूत करने की जरूरत है। शिक्षा के मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। मतदाता सूची से नाम काटने का आरोप लगाकर कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर चितौरी की महिलाओं ने 156(3) में चुनाव आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत दर्ज कराने को प्रार्थना पत्र दिए थे। उन प्रार्थना पत्रों को अदालत ने निरस्त कर दिया है। तहसील क्षेत्र के गांव अकबरपुर चितौरी निवासी सीमा, संतोष कुमारी व प्रवेश कुमारी ने पिछले दिनों जिला सत्र न्यायालय सम्भल स्थित चन्दौसी के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रेषित किया था, जिसमें आरोप लगाया गया कि वे अनुसूचित जाति की महिला हैं। विपक्षीगण गैर अनुसूचित जाति के हैं।

पीएम मोदी, सीएम योगी को जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उनके बेटे पर यू-ट्यूब चैनल पर एक संदेश प्रसारित कर अभद्र शब्दों का इस्तेमाल और जान से मारने की धमकी दी गई। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी जान से मारने की धमकी दी गई है। दोनों मामलों में यूपी-112 के ऑपरेशन कमांडर सहेंद्र कुमार ने अलग-अलग मुकदमा दर्ज कराया है।

सुशांत गोल्फ सिटी थाने की पुलिस जांच कर रही है। प्रभारी निरीक्षक सुशांत गोल्फ सिटी शैलेंद्र गिरी के मुताबिक, पीएम, गृहमंत्री व उनके बेटे को धमकी आठ सितंबर को दी गई। इसकी शिकायत रोशन गुप्ता ने एक चैनल के लिंक को यूपी-112 के कंट्रोल रूम के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भेजकर की।

बताया कि कल्कि वाणी नाम के यू-ट्यूब चैनल पर यह आपत्तिजनक टिप्पणी प्रसारित की गई। वहीं, 22 अगस्त को इसी तरह एक व्यक्ति ने मेरठ के शिक्षा विभाग से जुड़े मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर टिप्पणी की और धमकी दी। मामले की शिकायत कंट्रोल रूम में की गई थी।

सपा प्रमुख की पैदल यात्रा को राजभर ने बताया नौटंकी

» अखिलेश यादव नहीं चाहते उनका परिवार एक होकर रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव के बर्ताव पर सवाल खड़ा करते हुए आरोप लगाया है कि वह चाहते हैं कि उनका परिवार एक साथ नहीं रहे। इतना ही नहीं, उन्होंने अखिलेश यादव की पैदल यात्रा को नौटंकी बताया। विधानसभा चुनावों के दौरान अखिलेश को उत्तर प्रदेश का भविष्य बताने वाले राजभर इन दिनों खासे नाराज चल रहे हैं।

प्रदेश में बुरी तरह से हारने के बाद उन्होंने इसका ठीकरा अखिलेश के सिर पर फोड़ा था। यादव परिवार के भीतर चल रही उठापटक पर टिप्पणी करते हुए राजभर ने कहा कि दरअसल अखिलेश यादव नहीं चाहते कि उनका परिवार एक होकर रहे। उन्होंने कहा कि शिवपाल सिंह यादव ने बहुत

कोशिश की कि परिवार एक हो जाए लेकिन अखिलेश उनके साथ रहना ही चाहते। प्रगतिशील पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल यादव को अग्रणी पंक्ति के नेता बताते हुए उन्होंने कहा था कि अखिलेश को उनके लिए आगे कुर्सी देने की बात ना करनी चाहिए थी। बताते चलें कि अखिलेश यादव की चिट्ठी पिछले दिनों सामने आई थी। जहां उन्होंने चाचा के लिए अगली पंक्ति में सीट की मांग रखी है। विधानसभा अध्यक्ष ने इसे तकनीकी कारण बताते हुए खारिज कर दिया था। इस चिट्ठी पर टिप्पणी करते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि हमें जो सीट अलॉट की गई है, उसी पर बैठेंगे, यदि यह मांग करनी थी तो पहले की जानी चाहिए थी। अखिलेश यादव की पैदल यात्रा पर कंज कसते हुए ओपी राजभर ने कहा कि ये सब सिर्फ नौटंकी है, पांच साल सत्ता में रहे तो उन्हें लोगों का ख्याल नहीं आया, तब इनके विधायकों ने जनता को मार पीटने का काम किया। पहले खुद जमीनों पर कब्जा किया अब उन्हीं के लिए नौटंकी कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा में 22 सितंबर को पूरा समय महिला सदस्यों को चर्चा के लिए समर्पित करने के फैसले की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यदि 22 सितंबर तक सदन चल जाए तो यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन करेंगे कार्मिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य भंडारण निगम नियमित, आकस्मिक संविदा कर्मचारी यूनियन लखनऊ की एक बैठक मंगलवार को हुई। बैठक में सहकारिता विभाग के अधीन भंडारण निगम के प्रबंध तंत्र द्वारा विगत तीन वर्षों से लिखित आश्वासनों के उपरान्त भी निगम कार्मिकों की मूलभूत समस्याओं का निराकरण नहीं कराए जाने के कारण संगठन विवश होकर 21 सितंबर से निगम मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन आंदोलन करेगा।

यूनियन के अध्यक्ष विनोद कुमार दुबे, महामंत्री बिंदु बहादुर सिंह ने बताया कि शासन द्वारा निगम में कार्यरत शेष बचे 290 आकस्मिक कार्मिकों का पांच वर्ष बाद भी नियमितीकरण नहीं किया गया। इसके अलावा निगम में कार्यरत आकस्मिक एवं संविदा कार्मिकों को चिकित्सा हेतु कैशलेस सुविधा का लाभ न दिया जाना। साथ ही लगभग 800 से अधिक कार्मिकों को किसी प्रकार की चिकित्सीय सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है। वहीं निगम में कार्यरत नियमित कार्मिकों की प्रोवेशनल अवधि पूर्ण होने के उपरान्त वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ न दिया जाना गलत है। निगम कार्मिकों की मूलभूत मांगों पर सुनवाई नहीं होने के चलते यूनियन ने यह निर्णय लिया कि संगठन निगम मुख्यालय पर विरोध स्वरूप 21 सितंबर से अनिश्चित कालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

लोक सभा चुनाव : प्रदेश में नए सियासी समीकरण साधने की तैयारी में छोटे दल

तीसरे मोर्चे के गठन की कवायद पर नहीं खोले पत्ते

» शिवपाल और राजभर छोटे दलों से कर रहे संपर्क

» प्रसपा और सुभासपा प्रमुख सपा से चल रहे नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में शिकस्त के बाद सपा के प्रमुख सहयोगी प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव और सुभासपा के ओम प्रकाश राजभर नये समीकरण बनाने में जुट गए है। हालांकि दोनों नेताओं ने अपने पत्ते अभी नहीं खोले हैं लेकिन सियासी गलियारों में इसकी चर्चा गर्म है कि छोटी पार्टियां मिलकर प्रदेश में एक तीसरा मोर्चा बनाने की तैयारी अंदरखाने कर रही हैं। माना जा रहा है कि इसके पीछे जातीय वोटों के ध्रुवीकरण के साथ सपा को नुकसान पहुंचाने की भी है।

विधान सभा चुनाव के बाद प्रदेश में फिलहाल विपक्ष बिखर गया है। सपा गठबंधन के कई दलों ने अपनी राहें जुदा कर ली हैं। कई दलों ने तीसरे मोर्चे के गठन को लेकर कवायद तेज कर दी है। माना जा रहा है कि इस मोर्चे में अखिलेश यादव से नाराज चल रहीं पार्टियां शामिल होंगी। विधान सभा चुनाव के बाद से सपा प्रमुख अखिलेश यादव से प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव नाराज चल रहे हैं। वे अब अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में जुटे हैं। यहीं नहीं पिछले दिनों उन्होंने ऐलान किया था कि अब वह अखिलेश के साथ नहीं आएंगे। शिवपाल नए समीकरण बनाने में जुटे हैं। अपनी पार्टी को मजबूत करने के साथ-साथ वह दूसरे छोटे दलों को भी साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं 2022 के विधान सभा चुनाव में सपा गठबंधन का हिस्सा रहे ओम प्रकाश राजभर भी गठबंधन टूटने के बाद अखिलेश से नाराज हैं। उनकी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में भगदड़ मची हुई है। एक के बाद एक करीब 300 से ज्यादा राष्ट्रीय, प्रदेश स्तरीय और क्षेत्रीय नेता ओपी राजभर का साथ छोड़ चुके हैं और उन पर गंभीर आरोप लगा चुके हैं। राजभर इसकी वजह अखिलेश को बता रहे हैं। राजभर ने तो यहां तक कह दिया है कि वह जल्द ही अखिलेश यादव को सबक सिखाएंगे। कयास है कि भीम आर्मी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद भी तीसरे मोर्चे में शामिल हो सकते हैं। चंद्रशेखर ने भी यूपी विधान सभा चुनाव के दौरान अखिलेश यादव पर धोखा देने का आरोप लगाया था। चंद्रशेखर ने कहा था कि अखिलेश दलितों के खिलाफ हैं। चंद्रशेखर और ओम प्रकाश राजभर के बीच अच्छे संबंध हैं।

इन्हें होगा नुकसान

इन दलों का बड़ा जनाधार भले न हो लेकिन जातीय और धार्मिक समीकरण मजबूत है। चंद्रशेखर के पास दलित वोटर्स हैं। चंद्रशेखर दलित युवाओं में ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसी तरह ओम प्रकाश राजभर के पास राजभर, मौर्य व कुछ अन्य पिछड़ी जातियों का वोट बैंक है। शिवपाल सिंह यादव की मदद से कुछ हद तक यादव वोटर्स भी तीसरे मोर्चे के साथ आ सकते हैं अगर एआईएमआईएम का भी साथ मिल गया तो मुस्लिम भी मोर्चे के साथ जुड़ सकते हैं अगर एआईएमआईएम, प्रसपा, भीम आर्मी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ते हैं तो इससे सबसे ज्यादा नुकसान अखिलेश यादव को उठाना पड़ेगा। बसपा को भी तीसरे मोर्चे के चलते नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ये आ सकते हैं एक मंच पर

राजनीति के जानकारों का कहना है कि अभी लोक सभा चुनाव होने में दो साल बचे हैं। चुनाव के नजदीक आने पर गठबंधन और मोर्चे की बात ज्यादा साफ होती है। हालांकि अभी जो हालात बन हुए हैं, उसे देखकर यही लगता है कि शिवपाल सिंह यादव, ओम प्रकाश राजभर, चंद्रशेखर एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। एआईएमआईएम का साथ भी इन्हें मिल सकता है। ये चारों अपने साथ कुछ अन्य छोटी पार्टियों को भी ला सकते हैं।

तो युवा नेतृत्व की ओर बढ़ रही बसपा

» मायावती ने भतीजे आकाश को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

» गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में टीम ने तैयार की रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांशीराम-मायावती की बसपा ने अब युवा नेतृत्व की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। इसके लिए बसपा प्रमुख ने अपने भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया है। पार्टी में नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद अभी तक पर्दे के पीछे रहकर राजनीति कर रहे थे। 2019 में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनने के बाद अब उन्हें तीन राज्यों के चुनाव की कमान सौंपी गई है। ऐसे में बसपा में जहां युवा नेतृत्व की झलक दिखेगी वहीं अब आकाश भी फ्रंट पर राजनीति करेंगे। गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधान सभा चुनाव नजदीक हैं। इसको लेकर बसपा इन राज्यों में चुनावी तैयारियों में जुटी है।

सितंबर के पहले हफ्ते में प्रदेश प्रभारी राम जी गौतम और नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद राजस्थान में बैठक करने पहुंचे। यहां दर्जनभर पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने पिछले चुनाव में टिकट वितरण में गड़बड़ी व पैसे के लेन-देन का आरोप लगाकर हंगामा किया। साथ ही पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाकर इस्तीफा दे दिया। मामला बसपा प्रमुख मायावती तक पहुंचा। सूत्रों के मुताबिक इसके बाद बसपा प्रमुख ने तीनों राज्यों के चुनाव की कमान भतीजे आकाश आनंद को सौंप दी। ऐसे में राम जी गौतम आकाश आनंद की देखरेख में इन राज्यों में संगठन और आगामी चुनाव का काम देखेंगे।

ब्राह्मणों को छोड़, फिर मुसलमानों को रिझाने में जुटीं मायावती

पिछले वर्ष विधान सभा चुनाव से पहले सात सितंबर को बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की चार बार की मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने ब्राह्मणों को लुभाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये थे। वह खुद इन कार्यक्रमों में शामिल हुई थीं। 10 मार्च 2022 को जब यूपी विधान सभा चुनाव के परिणाम घोषित हुए तो बीएसपी को सिर्फ एक सीट हासिल हुई और पार्टी ने 12.8 फीसदी वोट हासिल किए। मायावती ने तब बसपा की इस हार का कारण राज्य में ध्रुवीकरण के कारण पार्टी छोड़ने वाले मुसलमानों को बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि पार्टी ने इससे सबक सीखा है और अपनी रणनीति बदलेगी। मायावती और उनकी पार्टी ने अब तक मुसलमानों से संबंधित मुद्दों पर 21 बार बयान दिए हैं। चुनाव से पहले छह महीने की अवधि में उन्होंने मुस्लिम समुदाय से संबंधित मुद्दों को सिर्फ आठ बार उठाया था। यहां तक कि उन्होंने राज्य में ब्राह्मणों के बारे में कई बयान दिए थे। बसपा सूत्रों की माने तो पहला प्रयास उन्हें पार्टी में वापस लाने का है। यही कारण है कि पार्टी अब सक्रिय रूप से समुदाय और उनसे संबंधित मुद्दों के साथ अधिक सक्रिय तरीके से जुड़ रही है।

जय भीम मॉडल के जरिए दक्षिण भारत पर जोर

यूपी-उतराखंड, पंजाब में हुए विधान सभा चुनाव में बसपा को हार का सामना करना पड़ा। दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम कार्ड पर चुनाव लड़ने वाली बसपा ने अब यूथ पर फोकस करने की रणनीति बनाई है। साथ ही जनाधार बढ़ाने के लिए दक्षिण भारत की ओर भी कदम बढ़ाया है। इसके लिए बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे व पार्टी के नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद को आगे किया है। आकाश आनंद ने यूथ कान्फ्रेंस 27 अगस्त को चेन्नई में की। इसमें जय भीम मॉडल पर फोकस किया गया। इसमें युवाओं के बीच दलित समाज की सामाजिक-आर्थिक भागीदारी की विचारधारा को धार दिया।

दिल्ली में मायावती ने 20 राज्यों की समीक्षा बैठक की

विधान सभा चुनाव हारने के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने पहले यूपी की समीक्षा बैठक की। इसमें संगठन में फेरबदल किया। कई पद खत्म कर बूथ स्तर से लेकर जोनल स्तर तक नए सिरे से संगठन खड़ा करने के निर्देश दिए। इसके बाद जुलाई में मायावती ने दिल्ली की ओर रुख किया। यहां 10 जुलाई से करीब माह भर 20 से अधिक राज्यों की समीक्षा बैठक पार्टी पदाधिकारियों के साथ की।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

तो ऐसे बनेंगे स्मार्ट शहर!

प्रदेश में स्मार्ट शहर बस सपना बनकर रह गया है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद लखनऊ समेत अधिकांश शहरों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। गंदगी, जलभराव, जर्जर सड़कें, जाम, अतिक्रमण और दूषित पेयजल यहां के शहरों की पहचान बन चुके हैं। लखनऊ तक इससे अछूता नहीं है। वहीं तमाम संसाधनों से लैस नगर निगम आज तक यहां की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में नाकाम साबित हुआ है। सरकार के आदेश भी दरकिनार कर दिए गए हैं। लिहाजा शहरवासी परेशान हैं। सवाल यह है कि शहरों की व्यवस्था दुरुस्त करने में नगर निगम और नगरपालिकाएं नाकाम क्यों हैं? क्या ये जनता से टैक्स वसूलने का जरिया भर हैं? आखिर शहर को दुरुस्त करने के लिए आवंटित बजट कहां खर्च किया जा रहा है? शहर गंदगी का पर्याय क्यों बन गए हैं? बारिश के समय भी जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त क्यों नहीं की जाती है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को पंगु बना दिया है? क्या ऐसे ही शहरों को स्मार्ट बनाने का सपना साकार होगा?

प्रदेश सरकार ने शहरों को स्मार्ट बनाने का वादा किया था। इसके लिए तमाम आदेश-निर्देश पारित किए गए। बजट भी जारी किया गया। शहरवासियों को तमाम सुविधाएं देने का दम भी भरा गया लेकिन हालात आज भी जस के तस हैं। पिछले दिनों हुई बारिश ने राजधानी लखनऊ की हालत ने नगर निगम के दावों की पोल खोल दी। अधिकांश शहर टापू में तब्दील हो गया था। सड़कें लबालब हो गयी थीं। बड़े अधिकारी भी मौके पर पहुंचे लेकिन पांच दिन बाद भी निचले इलाकों में बसी कई कॉलोनियों में जलभराव है। लिहाजा यहां के लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो चुका है। नाली और नालों की गंदगी सड़कों पर फैल चुकी है और संक्रामक रोग का खतरा उत्पन्न हो गया है लेकिन नगर निगम ने अभी तक यहां की जलनिकासी का प्रबंध नहीं किया है। यह स्थिति तब है जब नगर निगम पर्याप्त संसाधनों से लैस है और शहर की व्यवस्था के लिए उसके पास कर्मियों का अमला मौजूद है। इसके अलावा यहां स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कूड़ा उठान और निस्तारण की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। सड़कों से लेकर गलियों तक में गंदगी फैली हुई है। जाम और अतिक्रमण स्थायी समस्या बन चुकी है। अतिक्रमण हटाओ अभियान की खानापूर्ति हो रही है। यही हाल प्रदेश के अन्य शहरों का है। यदि सरकार शहरों की व्यवस्था को दुरुस्त करना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभागों को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाह कर्मियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई भी करनी होगी अन्यथा स्मार्ट शहर बस सपना ही रहेगा।

"प्रदेश में स्मार्ट शहर बस सपना बनकर रह गया है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद लखनऊ समेत अधिकांश शहरों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। गंदगी, जलभराव, जर्जर सड़कें, जाम, अतिक्रमण और दूषित पेयजल यहां के शहरों की पहचान बन चुके हैं। लखनऊ तक इससे अछूता नहीं है। वहीं तमाम संसाधनों से लैस नगर निगम आज तक यहां की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में नाकाम साबित हुआ है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समृद्ध भारत के निर्माण को हो समन्वित प्रयास

सुरेश सेठ

अपना देश प्रगति की मंजिलें तय करता आगे बढ़ता रहेगा। भारतीय वैज्ञानिक दुनिया के किसी भी बड़े देश के वैज्ञानिकों से कमतर नहीं हैं। हाल में नयी दिल्ली में केन्द्र-राज्य विज्ञान सम्मेलन हुआ। प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में प्राप्त की गयी देश के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों की सराहना की कि इन्होंने इस देश को पीछे नहीं रहने दिया बल्कि इन्हें अनुसंधान व नवाचार का वैश्विक केन्द्र बनाने का समन्वित प्रयास करते पाया है।

आज की विकट आर्थिक परिस्थितियों में कोविड महामारी के प्रतिबंधित व अर्धप्रतिबंधित वातावरण ने देश के आर्थिकी को बाधित किया। मंदी के माहौल ने देश के निवेशकों, उत्पादकों और उद्यमियों को निराश कर दिया था। सकल घरेलू उत्पाद दर में बाईस प्रतिशत की गिरावट हो गयी थी। रिकार्ड श्रमशक्ति रोजगारविहीन होकर गांवों की ओर लौट गयी थी। युवा अचानक अपनी जड़ों से उखड़ कर या तो दिशाहीन हो गये थे या डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन से घबरा कर विदेशों की ओर पलायन कर रहे थे लेकिन वहां ठौर-ठिकाना कहां था, और अब भी नहीं है। मुद्रास्फीति ने अमेरिका और इंग्लैंड से लेकर अन्य पश्चिमी देशों को अपने घेरे में ले लिया है। इस बीच भारत को आत्मनिर्भर बना देने के संकल्प किये गये। कहा गया कि 2021-22 आर्थिक वर्ष में देश ने निर्यात वृद्धि में अकल्पनीय सफलता प्राप्त की है परन्तु देश की प्रवृत्ति और प्रकृति अभी भी आयात आधारित अर्थव्यवस्था है। जहां ऊर्जा का मुख्य स्रोत क्रूड ऑयल पेट्रोल, डीजल और गैस का पच्चासी प्रतिशत आज भी आयात आधारित है। रूस-यूक्रेन युद्ध की लंबी तनातनी, ओपेक देशों द्वारा अपना लाभ बनाये रखने के लिए उत्पादन न बढ़ाने की जिद और अब जब उन्होंने उसे बढ़ाने का फैसला लिया तो क्रूड तेल की कीमतों की 88 डॉलर प्रति बैरल पर गिरता देखकर उसे फिर घटा देने का फैसला भला भारत को राहत की सांस कैसे लेने देगा? सरकार ने एक सौ पन्द्रह दिन एक्साइज में सांकेतिक कमी कर इसकी कीमतें स्थिर रखी हैं, लेकिन जनता, किसानों, निवेशकों की अपेक्षा के बावजूद इसकी कीमतें कम नहीं कर रही। ऐसे माहौल में प्रधानमंत्री ने दिल्ली के विज्ञान सम्मेलन में आशावादिता का संचार कर दिया कि अपना देश चौथी औद्योगिक क्रांति के मुहाने पर खड़ा है। सिर्फ भारत के लिये ही नहीं, उसमें क्षमता है पूरी दुनिया और तीसरी दुनिया का नेतृत्व करने की, इस दिशा में एक समन्वित प्रयास की कल्पना कर डाली। 'जय जवान, जय किसान' तो हम पहले ही कहते थे, अब इसमें शरीक हो गये 'जय विज्ञान' और 'जय अनुसंधान' के स्वर। यह थोथे नारे नहीं हैं।

इस अत्यधिक जनसंख्या वाले देश ने जिस प्रकार पूरे विश्व में अपने कोविडरोधी टीकों के अनुसंधान, उत्पादन और व्यापक प्रसार में सफलता प्राप्त की है। यह कोई मामूली बात नहीं। दूसरी ओर, अंतरिक्ष विजय में इसरो की उपलब्धियों ने पूरे विश्व को चौंका दिया है। अब हम दूसरे देशों के छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण को लेकर एक नयी व्यावसायिक मंडी का द्वार खटखटा रहे हैं। देश का किसान दूसरी कृषि क्रांति के लिए छटपटा रहा है जो पहली कृषि क्रांति की तरह लघुजीवी और कुछ फसलों तक सीमित न हो। गेहूं, धान का परंपरागत फसल चक्र छोड़ कर जिस बहुफसली दुनिया की कल्पना हम खेतों के लिये कर रहे हैं, वह इस क्रांति का सच बने। बेशक देश को डिजिटल बना देने का प्रयास, अंतरराष्ट्रीय प्रगति के समक्ष इंटरनेट क्रांति का विकास और पेशकदमी हमें कृषि ही नहीं औद्योगिक क्रांति की सामर्थ्य भी बख्श रही है।

आंकड़े बता रहे हैं कि भारत ने अपने डिजिटल कायाकल्प और इंटरनेट उपलब्धियों से विश्व को चौंका दिया है। ऑनलाइन लेनदेन की प्रगति ने देश की रिवायती मंडियों के साथ एक ऐसे नये लेनदेन बाजार को जन्म दिया है, जो भीड़ भरे बाजारों से स्थानांतरित होकर उपभोक्ता के घर-द्वार तक पहुंच बना रहा है। इस बदलाव ने परंपरागत दुकानदारी के मॉल-प्लाजाओं को एक अकूत शक्ति वाला नया विकल्प दे दिया है लेकिन दो हजार सैंतालीस तक एक विकसित राष्ट्र का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसके लिये मूलभूत आर्थिक ढांचे के निर्माण की घोषणा और अब अपने 'राजपथ' को 'कर्तव्यपथ' बना उससे निकलते विकास पर निरंतर चलने का आग्रह शामिल हो। इस दिशा में काम वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के इस वर्ष के आर्थिक बजट से शुरू कर दिया है लेकिन इस विकासपथ की धरती जहां-जहां खोखली है, इस की पहचान की जाए। साइबर अपराधों पर अंकुश लगे। देश की साख बढ़ेगी, तभी नयी दुनिया बना देने के इसके स्वप्न सार्थक हो सकेंगे।

वर्षा जल संचयन और प्रबंधन ही निदान

अशोक भगत

जल के स्थानीय स्त्रोतों को विकसित करना ही जल संकट का असली समाधान है. इसके लिए समाज को जगाना होगा। जल के महत्व को समझाना होगा। जिस प्रकार हमारे पूर्वज जल की महत्ता को समझते थे और अपने समाज को प्रबोधित करते थे, उसी प्रकार इसे अभियान के तहत समाज पर लागू करना होगा।

हम सभी जानते हैं कि हमारे देश में बारिश का सबसे बड़ा स्रोत मानसून है। यदि यह अनियमित हो जाता है, तो पानी की कमी का खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ता है। इस बार कुछ ऐसा ही हो रहा है। पूर्वी मानसून के कमजोर रहने के कारण झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल आदि प्रांतों में अपेक्षाकृत कम बारिश हो रही है। यह इलाका हमारे खाद्यान्न उत्पादन का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। कम बारिश का सीधा असर खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा। जहां नहरों से सिंचाई की सुविधा है, वहां भी बारिश की कमी का असर पड़ेगा और खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होगा। झारखंड की राजधानी रांची के चारों ओर बड़े पैमाने पर हरी सब्जी की खेती होती है। पानी की कमी से सब्जी की खेती बुरी तरह प्रभावित हो रही है और हरी सब्जियां लगातार महंगी हो रही हैं।

मौसमी अनुमान में बताया गया था कि इस बार मानसून सामान्य होगा लेकिन पूर्वी भारत में मानसून बहुत कमजोर पड़ गया। इस कारण बंगाल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में बारिश बहुत कम हो रही है। बिहार और झारखंड में तो लोग सूखे की स्थिति का सामना कर रहे हैं। उत्तर और पश्चिम भारत में मजबूत पश्चिमी मानसून के कारण बारिश तो हो रही है लेकिन यहां भी सामान्य से कम बारिश के कारण किसान प्रभावित हैं। वैसे भी देश का दक्षिण और मध्य क्षेत्र सूखे की समस्या से दो-चार होता रहता है अगर भारत का पूर्वी क्षेत्र भी सूखा प्रभावित हो गया तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर होगा। मानसून की अनियमितता सामान्य बात है लेकिन जब विज्ञान का विकास हो चुका है और हमारे पास पूर्वानुमान की बेहतर तकनीक है तो हमें अपने प्रबंधन में भी सुधार करना चाहिए। दूसरी बात यह है कि पश्चिम से आयातित विकास की नयी शैली बेहद सतही है। जल प्रबंधन के मामले में ही हम इस शैली का उपयोग कर जल की समस्या से जूझने लगे हैं।

जिस देश में हजारों की संख्या में मीठे पानी के स्रोत हों वहां पेयजल का व्यापार असहज कर देता है। अब तो गांव-गांव में पानी शुद्ध करने की मशीनें लग रही हैं। यदि मशीन नहीं हैं तो लोग खरीद कर पानी पी रहे हैं। यह प्रबंधन हमें प्रकृति के द्वारा प्रदत्त जल से वंचित कर रहा है। प्रदूषण के नाम पर हमें न जाने कौन-सा पानी पिलाया जा रहा है इसलिए हमें जल की कमी और उसके प्रबंधन पर तसल्ली से विचार करना होगा। दूसरी बात, हमें सूखे की स्थिति से निपटने की नयी प्रविधि विकसित करनी होगी। फिलहाल जहां पानी है वहां से लाने की बात हम करते हैं। कई स्थानों पर हम तकनीक के द्वारा पानी ला भी रहे हैं। उदाहरण के लिए दिल्ली के लोगों ने यमुना नदी को प्रदूषित कर लिया और अब पीने के पानी के लिए गंगा के पानी पर निर्भर हैं।

गंगा के पानी पर प्राकृतिक रूप से पहला अधिकार उसके किनारे बसे लोगों का है लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। पहाड़ के लोग पेयजल के लिए प्रतिदिन 5-10 किलोमीटर की यात्रा करते हैं, लेकिन दिल्ली के लोगों को गंगा नहर के माध्यम से बेहद सहजता से पानी दिया जा रहा है। उसी प्रकार पंजाब के पानी को हरियाणा, राजस्थान आदि प्रांतों में पहुंचाया जा रहा है, जबकि खुद पंजाब में पानी की भारी कमी है। नदी जल के लिए पंजाब और हरियाणा के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। नर्मदा का जल राजस्थान तक पहुंचाया जा रहा है। जल समस्या के समाधान के लिए सरकारों ने जो तकनीक विकसित की है वह अवैज्ञानिक और अप्राकृतिक है। जल के स्थानीय स्त्रोतों को विकसित करना ही जल संकट का असली समाधान है। इसके लिए समाज को जगाना होगा। जल के महत्व को समझाना होगा। जिस प्रकार हमारे पूर्वज जल की महत्ता को समझते थे और अपने समाज को प्रबोधित करते थे, उसी प्रकार इसे अभियान के तहत समाज पर लागू करना होगा। जहां नदी है, वहां नदी के रखरखाव की जिम्मेदारी समाज को सौंपी जाए और जहां नदी नहीं है, वहां जल संरक्षण के लिए अभियान चले। वर्षा जल संग्रह कर हम उसका बेहतर उपयोग कर सकते हैं। इस जल को हम न केवल पीने के काम में ला सकते हैं, अपितु कृषि कार्य के लिए भी इसका उपयोग हो सकता है। इस दिशा में पहल होनी चाहिए। साथ ही पूरे देश में वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया जाना चाहिए. धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक स्तर पर इसका प्रचार-प्रसार होना चाहिए। पारंपरिक कृषि प्रणाली के सीमित विकल्प के तौर पर उपलब्ध मौसमी फसल चक्र में परिवर्तन से सूखाग्रस्त क्षेत्र में होने वाले नुकसान की सीमित मात्रा में भरपाई ही संभव है। मानसून पर निर्भरता और सुखाड़ जैसे हालात से निपटने के लिए जल संचयन और प्रबंधन को बेहतर बनाने के साथ-साथ जन सहभागिता बढ़ाने के लिए जन जागरण का मूल मंत्र ही कारगर विकल्प साबित हो सकेगा।

बच्चों को परेशानियों से लड़ने के लिए करें तैयार

संस्कारों के साथ अपने बच्चों को ये जानकारियां भी दें

दुनियाभर में भारतीयों को उनके संस्कार, प्रेम और पारिवारिक मूल्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, आपको कभी न कभी ये बात भी समझ आ ही जाती है कि जिंदगी में अकेले संस्कार ही काफी नहीं होते हैं। आज हम आपको उन चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारतीय माता-पिता को बचपन से ही अपने बच्चों को सिखाना चाहिए। ये चीजें सिखाकर आप उन्हें जिंदगी में आने वाली परेशानियों के लिए तैयार कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि असल में माता-पिता को अपने बच्चों को क्या सीख देनी चाहिए।

टैक्स भरना सिखाएं

उन्हें टैक्स फाइल करना सिखाएं ताकि वो आखिरी समय पर परेशान न हों और हर साल 21 जुलाई से पहले ही अपना काम पूरा कर लें। पैरेंट्स और स्कूल दोनों ही बच्चों को टैक्स भरने के बारे में नहीं बताते हैं। अपने यहां अमूमन लोग सीए के पास जाकर टैक्स भरवाते हैं।

आत्मरक्षा की ट्रेनिंग

अपने बच्चे को छोटे कपड़े पहनने या रात को देर से घर आने पर टोकने की बजाय आत्मरक्षा की ट्रेनिंग दिलवाएं। खुद को सुरक्षित रखने के टिप्स सीखने के बाद उनके आत्मविश्वास में भी बढ़ोत्तरी होगी।

घर में सभी को करना चाहिए रसोई का काम

माता-पिता होने के नाते आपको अपने बच्चे को ये सिखाना चाहिए कि रसोई और घर का काम लड़के और लड़कियां दोनों को मिलकर करना चाहिए। कई परिवारों में बच्चों को घर के काम करना नहीं सिखाया जाता है क्योंकि इसे उनके विकास के लिए जरूरी नहीं समझा जाता है। उन्हें भी घर का काम सिखाकर आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश करें।

अपनी बात को सही ढंग से पेश करना सिखाएं

आमतौर पर बच्चों को बड़ों की पीठ पीछे बात करने के लिए मना किया जाता है क्योंकि ऐसा करना संस्कारों के विरूद्ध माना जाता है। इसकी बजाए बच्चे को अपनी बात को खुलकर रखना सिखाएं। उन्हें बड़ों से प्यार और नम्रता से जवाब देना सिखाएं। बच्चों को सहनशील भी बनाएं।

बचत के तरीके बताएं

बच्चों को कम उम्र से ही बचत और निवेश करना जरूर सिखाएं। अलग-अलग तरह से निवेश और बचत सिखाकर आप उन्हें भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं।

कहानी | चोरी का माल मोरी में

हमारे घर के पास एक डेरी वाला है। वह डेरी वाला ऐसा है कि आधा किलो घी में अगर घी 502 ग्राम तुल गया तो 2 ग्राम घी निकाल लेता था। एक बार मैं आधा किलो घी लेने गया। उसने मुझे 90 रुपये ज्यादा दे दिये। मैंने कुछ देर सोचा और पैसे लेकर निकल लिया। मैंने मन में सोचा कि 2-2 ग्राम से तूने जितना बचाया था बच्चू अब एक ही दिन में निकल गया। मैंने घर आकर अपनी गृहलक्ष्मी को कुछ नहीं बताया और घी दे दिया। उसने जैसे ही घी डब्बे में पलटा आधा घी बिखर गया। मुझे झट से 'बेटा चोरी का माल मोरी में' वाली कहावत याद आ गयी। और साहब यकीन मानिए वो घी किचन की सिंक में ही गिरा था। इस वाकये को कई महीने बीत गये थे। परसों शाम को मैं एग रोल लेने गया। उसने भी मुझे सत्तर रुपये ज्याद दे दिये। मैंने मन ही मन सोचा चलो बेटा आज फिर चेक करते हैं कि क्या वाकई भगवान हमें देखता है। मैंने रोल पैक कराये और पैसे लेकर निकल लिया। आश्चर्य तब हुआ जब एक रोल अचानक रास्ते में ही गिर गया। घर पहुंचा, बचा हुआ रोल टेबल पर रखा, जूस निकालने के लिये अपना मनपसंद कांच का गिलास उठाया, अरे यह क्या, गिलास हाथ से फिसल कर टूट गया। मैंने हिसाब लगाय करीब-करीब सत्तर में से साठ रुपये का नुकसान हो चुका था। मैं बड़ा आश्चर्यचकित था और अब सुनिये ये भगवान तो मेरे पीछे ही पड़ गया जब कल शाम को सुभिक्षा वाले ने मुझे तीस रुपये ज्याद दे दिये। मैंने अपनी धर्म-पत्नी से पूछा क्या कहती हो एक ट्राई और मारें। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा-जी नहीं, और हमने पैसे वापस कर दिये। बाहर आकर हमारी धर्म-पत्नी जी ने कहा- वैसे एक ट्राई और मारनी चाहिए थी। बस इतना कहना था कि उन्हें एक ठोकर लगी और वह गिरते-गिरते बचीं। मैं सोच में पड़ गया कि क्या वाकई भगवान हमें देख रहा है।

6 अंतर खोजें

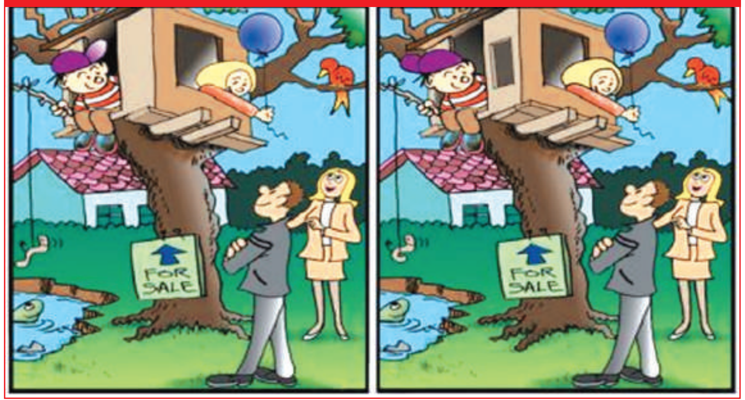

हंसना मना है

संता - तुम्हें सर्दी लगती है तो क्या करते हो ? बंता- मैं हीटर के पास जाकर बैठ जाता हूं। संता- इसके बाद भी सर्दी लगती है तो आप क्या करते हैं? बंता - तो फिर मै हीटर चालू कर लेता हूं।

संता ने अपनी बाइक गुम जाने की खुशी में पार्टी दी क्योंकि वह खुश था कि वो कुछ देर पहले ही बाइक पर था, अगर बाइक पर ही होता तो वह भी गुम जाता।

शिक्षक कक्षा में छात्रों से बोले- तुम्हें पता है तुम्हारी उम्र में महात्मा गांधी ने बी.ए. कर लिया था। एक छात्र बोला- सर हमें यह भी पता है कि आपकी उम्र में भगत सिंह फांसी चढ़ चुके थे।

संता- रात भर मुझे नींद नहीं आई बंता- क्यों? संता- रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रूटीन कामों से धन लाभ हो सकता है। निवेश करना ही हो तो सुरक्षित निवेश करें। कोई नया व्यक्ति आपसे जुड़ेगा।

वृषभ संतान की उन्नति आपकी खुशी बढ़ा सकती है। व्यापार में नई योजना बन सकती है। धन लाभ हो सकता है।

मिथुन बड़े लोगों और पब्लिक से संबंध बना कर चलें। आज आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं।

कर्क कलात्मक और रचनात्मक कामों में आप बहुत हद तक सफल हो जाएंगे। सफलता भी मिलेगी।

सिंह आपको दोस्तों और भाइयों से सहयोग मिल सकता है। सौदेबाजी में बहुत अच्छी सफलता का योग हैं।

कन्या पैसों से जुड़ी स्थिति में सुखद बदलाव हो सकता है। आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं।

तुला दिन शुभ है। रोजमर्रा के काम पूरे होने में कोई रुकावट नहीं आएगी। धैर्य और विश्वास रखें।

वृश्चिक पुराने अच्छे कर्मों का फल मिलेगा। अच्छे कामों पर ध्यान देंगे और उससे आपको खुशी मिलेगी।

धनु नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अच्छा है। आज आप कोशिश करेंगे, तो ज्यादातर समस्याएं सुलझ सकती हैं।

मकर आज आपकी मुलाकात महत्वपूर्ण लोगों से हो सकती है। सोचे हुए कुछ काम आज पूरे भी हो जाएंगे।

कुम्भ आज माहौल अच्छा है। कामकाज में भी आपका खूब मन लगेगा। उत्साह भी बढ़ेगा। अचानक मन में बदलाव भी आ सकते है।

मीन नई शिक्षा के अवसर मिल सकते हैं। आपके गुणों एवं योग्यताओं का फायदा आपको आने वाले दिनों में मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बेबी बंप के साथ स्पॉट हुईं बिपाशा, बोलीं- मैं बहुत खुश हूं

बिपाशा बसु इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी के कारण सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस ने अगस्त में प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी, जिसके बाद अब उन्हें मुंबई के एक सैलून के बाहर स्पॉट किया गया है। बेबी बंप के बाद सैलून पहुंची बिपाशा ने हेयर ट्रांसफॉर्मेशन के बाद पैपराजी को खूब पोज दिए। इस दौरान उन्होंने पैपराजी से बातचीत भी की। जब उनके पूछा गया कि वो कैसी हैं तो जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, मैं बहुत खुश हूं, हैप्पी। एक्ट्रेस डेनिम लूज ड्रेस के साथ शीर व्हाइट श्रग में सैलून पहुंची थीं। लुक को कंफर्टेबल बनाते हुए उन्होंने ड्रेस के साथ स्पोर्ट्स शू पहन रखे थे। खुले बालों में बिपाशा का प्रेग्नेंसी ग्लो साफ देखने मिल रहा था। बता दें कि बिपाशा ने 2016 में एक्टर करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी। शादी के 5 साल बाद अब बिपाशा मां बनने वाली हैं। बिपाशा चाहती है कि उनके घर बेटी का जन्म हो। बिपाशा ने अपनी संतान की चाहत फिल्मों से दूरी बना रखी है। वे कहती हैं कि मां बनने के बाद मैं दोबारा कभी भी कम बैक कर लूंगी। लेकिन मेरी पहली प्राथमिकता अपने बच्चे पर ध्यान केंद्रित करना है, जिस पर पूरा समय खर्च कर रही है। करन ग्रोवर मेरा पूरा ख्याल रख रहे हैं, इसके लिए मैं उनकी आभारी हूं।

गौरी खान ने सुहाना को डेटिंग से जुड़ी सलाह दी

बॉलीवुड | मसाला

कॉफी विद करण में इस बार करण जौहर की मेहमान बनकर आ रही हैं फैब्युलस लेडीज यानी गौरी खान, भावना पांडे और महीप कपूर। करण जौहर ने अपकमिंग शो का वीडियो शेयर किया है। इसमें वह बॉलीवुड वाइफ्स से बात करते नजर आ रहे हैं। शो का हाइलाइट गौरी खान हैं जिन्हें बहुत कम ही किसी चैट शो में देखा जाता है। करण के इस शो में शाहरुख का कैमियो भी है यानी गौरी फोन पर उनसे बात करवाएंगी। इतना ही नहीं, करण गौरी से पूछेंगे कि वह सुहाना को क्या डेटिंग अडवाइज देना चाहेंगी, जिसका वह मजेदार जवाब देंगी। कॉफी विद करण के अपकमिंग एपिसोड में शाहरुख खान की वाइफ गौरी खान मेहमान बनकर आ रही हैं। साथ में उनकी दोस्त महीप कपूर और भावना पांडे भी होंगी। शो के प्रोमो में करण सहित ये चारों फ्रेंड्स बातचीत करते नजर आ रहे हैं। करण गौरी से पूछते हैं, वह सुहाना को एक क्या डेटिंग अडवाइज देती हैं? इस पर गौरी जवाब देती हैं, एक वक्त पर कभी भी दो लड़कों को डेट मत करना? करण महीप से पूछते हैं, वह किस ऐक्टर के साथ अपनी जोड़ी बनाना चाहेंगी?

सांस लेने में तकलीफ थी इसलिए प्रियंका ने करवाई थी सर्जरी

बॉलीवुड | मन की बात

प्रियंका चोपड़ा उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्होंने अपने चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के लिए सर्जरी का सहारा लिया है। एक्ट्रेस ने सालों पहले अपनी नाक की बनावट बदलवाई थी। हालांकि एक्ट्रेस की मानें तो उन्होंने नाक सर्जरी सुंदरता के लिए नहीं बल्कि अस्थमा से सांस लेने में तकलीफ होने के कारण करवाई है। प्रियंका ने बताया है कि वो अस्थमा के कारण नाक की सर्जरी करवाने गई थीं, लेकिन डॉक्टर्स की लापरवाही के कारण उनकी नाम का शेप पूरी तरह बदल गया। रिजल्ट देखकर प्रियंका बुरी तर डर गई थीं और खुद को पहचान नहीं पा रही थीं। इंटरनेशनल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने साल 2021 में अपनी ऑटोबायोग्राफी अनफिनिश्ड लॉन्च की थी। इस बुक में प्रियंका ने अपनी जिंदगी से जुड़ी कुछ अहम बातों से पर्दा उठाया है। बुक के एक पार्ट में प्रियंका ने अपनी बिगड़ी हुई नोज सर्जरी पर कहा- अस्थमा के कारण मुझे सास लेने में दिक्कत होती थी। एक फैमिली फ्रेंड के कहने पर मैं डॉक्टर से मिली। डॉक्टर ने देखा कि मेरे नेजल कैविटी में पॉलिप है, जिसे सर्जरी के जरिए हटाना पड़ेगा। जब डॉक्टर्स मेरी नाक में मौजूद पॉलिप को हटा रहे थे तो उन्होंने गलती से मेरी नाक का ब्रिज भी शेव कर दिया, जिससे मेरी नाक की बनावट बिगड़ गई। आगे एक्ट्रेस ने लिखा- जैसे ही डॉक्टर्न ने सर्जरी के बाद मेरी नाक पर लगी पट्टियां हटाईं और मेरी नाक दिखी तो मैं और मेरी मां बुरी तरह डर गए। मेरी असली नाक जा चुकी थी। मेरा चेहरा बिल्कुल अलग दिख रहा था।

अजब-गजब | वैज्ञानिक ने किया चौंकाने वाला दावा

दूसरी दुनिया में जाने का द्वार है ब्लैक होल, धरती भी है इसका हिस्सा!

अगर आप अंग्रेजी फिल्मों के शौकीन होंगे तो आपने 'इंटरस्टेलर' या 'डॉक्टर स्ट्रेंज- मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' जैसी फिल्में तो जरूर देखी होंगी। इन फिल्मों में मल्टीवर्स यानी दुनिया में कई ब्रह्मांड होने का दावा किया गया है और इनके हीरोज ब्लैक होल के जरिए एक यूनिवर्स से दूसरे यूनिवर्स में प्रवेश करते हैं। यूं तो ये एक फिल्म थी, मगर अब एक वैज्ञानिक ने हैरान करने वाला दावा किया है जो कई यूनिवर्स और ब्लैक होल से जुड़ा है। वैज्ञानिक का कहना है कि एक यूनिवर्स से दूसरे में जाने का द्वार ब्लैक होल है।

वैज्ञानिकों के दावे के बारे में बताने से पहले आपको बता देते हैं कि मल्टीवर्स और ब्लैक होल क्या होता है। हम धरती पर रहते हैं, धरती और अन्य 7 ग्रह मिलाकर हमारा सोलर सिस्टम बनता है। हमारे सोलर सिस्टम के अलावा हजारों-लाखों सोलर सिस्टम होने का भी दावा किया जाता है। ये सारे सोलर सिस्टम गैलेक्सी में होते हैं। हमारी गैलेक्सी को 'आकाशगंगा' या मिल्की वे कहते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि इसी प्रकार सैकड़ों गैलेक्सियां होती हैं जो एक यूनिवर्स के अंदर पाई जाती हैं। मल्टीवर्स की थ्योरी के अनुसार इस दुनिया में अनगिनत यूनिवर्स है। दूसरी ओर ब्लैक होल स्पेस में वो जगह है जहां ना समय और ना ही स्थान का कोई अर्थ होता है। इसकी ग्रैविटी इतनी ज्यादा है कि इसके आसपास मौजूद हर चीज इसमें समा जाती है और कभी बाहर नहीं आ सकती। वैज्ञानिकों का ये भी दावा है कि एक विशाल ब्लैक होल सोलर सिस्टम को भी अपने में निगल सकता है और इसमें जाते ही पदार्थ एक छोटे से बिंदु में बदल जाता है. ये ब्लैक होल और यूनिवर्स की बहुत सरल व्याख्या है जिससे आपको इसका मूल आसानी से समझ आ सके। लेकिन ब्लैक होल को पूरी तरह से समझाना बहुत पेचीदा है। वैज्ञानिक ने दावा किया है कि ब्लैक होल इतने छोटे भी हो सकते हैं कि उन्हें माइक्रोस्कोप से देखना पड़े मगर उनमें भी दूसरा यूनिवर्स हो सकता है। चलिए अब बताते हैं कि वैज्ञानिकों ने हाल ही में जो दावा किया है उसके क्या मायने हैं। डेली स्टार न्यूज वेबसाइट से बात करते हुए पोलैंड के वैज्ञानिक निकोडेमा पॉपलॉस्की ने कहा है कि हर ब्लैक होल में एक नया यूनिवर्स बसा हुआ है यानी ब्लैक होल दूसरे यूनिवर्स में जाने का रास्ता है।

रेस्टोरेंट में बच्चे लाने पर देना पड़ता है 300 रुपये फाइन!

दुनिया में तरह-तरह की जगहों पर अलग-अलग किस्म के रेस्टोरेंट होते हैं और इनकी अपनी खासियत होती है। कहीं का खाना बहुत अच्छा होता है तो कुछ रेस्टोरेंट अपने इंटीरियर के लिए पहचाने जाते हैं। कई जगहें ऐसी भी होती हैं, जहां के नियम-कानून कुछ अजीब ही होते हैं। ऐसे ही अजीब नियमों की लिस्ट में इंग्लैंड का एक रेस्टोरेंट शामिल है, जो आम लोगों के लिए तो ठीक है, लेकिन छोटे बच्चे के माता-पिता के लिए जरूर दिक्कत पैदा करने वाला है।

इंग्लैंड के Cumbria में मौजूद एक चाइनीज रेस्तरां बच्चों के माता-पिता का तो स्वागत-सत्कार करता है लेकिन बच्चे लेकर आने पर उन्हें अलग से चार्ज करता है। कुछ लोगों को रेस्टोरेंट का नियम ठीक लगता है तो कुछ लोगों को ये समझ नहीं आया। सोशल मीडिया पर पर इस अजीब नियम की खासी चर्चा हो रही है क्योंकि लोग इस सोच में पड़े हैं कि आखिर कोई बच्चों को छोड़कर रेस्टोरेंट कैसे और क्यों जाएगा? मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक कम्ब्रिया के Barrow-in-Furness में Panda Garden नाम के रेस्टोरेंट में ये अजीब नियम लगाया गया है। यहां आने वाले मेहमानों को करीब 900 रुपये में ऑल यू कैन ईट बुफे का आनंद लेने को मिलता है। ये सारी सुविधा आपको सिर्फ तब मिलेगी, जब आप बिना बच्चों के जाएंगे। अगर आप छोटे बच्चों के साथ गए, तो आपको 3 यानी करीब 300 रुपये का चार्ज देना पड़ेगा. फेसबुक पर रेस्टोरेंट के स्पोक्सपर्सन Xiangling Xiao ने बताया है- 'हम बच्चों के लिए अलग से सीट रिजर्व करने की सुविधा दे रहे है, जो कि बड़े शख्स के साथ बैठेंग। हम उनकी गंदगी साफ करने के लिए स्टाफ को पेमेंट भी दे रहे हैं। इसी के लिए रेस्टोरेंट 300 रुपये अलग से चार्ज कर रहे हैं।

कैप्टन अमरिंदर ने थामा कमल, पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय

- » केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और किरेन रिजिजू ने दिलायी सदस्यता
- » पंजाब विधान सभा चुनाव में भाजपा की सहयोगी रही है कैप्टन की पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) के प्रमुख कैप्टन अमरिंदर सिंह अपने समर्थकों के साथ सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। इसके साथ ही उन्होंने अपनी नवगठित पार्टी पीएलसी का भाजपा में विलय भी कर दिया। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और किरेन रिजिजू, पंजाब भाजपा के अध्यक्ष अश्विनी शर्मा सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सिंह ने

यहां पार्टी मुख्यालय में केंद्र के सत्ताधारी दल का दामन थामा। सिंह के साथ राज्य के कुछ और वरिष्ठ नेता भी भाजपा में शामिल हो गए।

केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि उनके आने से पंजाब में भाजपा की ताकत बढ़ेगी। अमरिंदर सिंह की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि उन्होंने हमेशा राष्ट्र को पार्टी और दलगत राजनीति से ऊपर रखा है। कैप्टन साहब की सोच भाजपा से मिलती रही है। जैसे भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वप्रथम है, उसी प्रकार कैप्टन ने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को अपने जीवन में अपनाया। इससे पहले, सिंह ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से भी मुलाकात की थी। सिंह ने मुख्यमंत्री पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद पिछले साल कांग्रेस छोड़ दी थी और पीएलसी का गठन किया था। पीएलसी ने भाजपा और सुखदेव सिंह ढींढसा की अगुवाई वाले शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के साथ गठबंधन कर विधान सभा चुनाव लड़ा था। हालांकि, उसका एक भी उम्मीदवार जीत हासिल नहीं कर पाया था। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री सिंह की पत्नी प्रनीत कौर पटियाला से कांग्रेस की सांसद हैं।

भाजपा की रैली का जवाब महारैली से देगा महागठबंधन: ललन सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भाजपा और जदयू के बीच गठबंधन टूटने के बाद दोनों पार्टियां एक दूसरे का जवाब देने के लिए रैली का आयोजन कर जनता के बीच जाने की तैयारी में हैं। शुरुआत भाजपा ने की है जो 23 सितंबर और 24 सितंबर को पूर्णिया और किशनगंज में बड़ी रैली की तैयारी कर रही है। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होने वाले हैं।

भाजपा के रैली का जवाब देने के लिए महागठबंधन ने भी पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार में संयुक्त महागठबंधन की ओर से महारैली की घोषणा की है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि अमित शाह सीमांचल में रैली कर बिहार के साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी मंशा है कि ध्रुवीकरण हो। वे इसी कोशिश में लग चुनावी फायदा उठाना चाहते हैं लेकिन बिहार की महागठबंधन की सरकार पूरी तरह से सचेत है. उनकी कोई मंशा सफल नहीं होगी।

गोमती तट पर पितरों के लिए होगा महादीपदान

- » अनाम पितरों का भी होगा तर्पण, भंडारे का भी आयोजन
- » 25 सितंबर को दंडी स्वामी के सानिध्य में किया जाएगा कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश पर बलिदान जवानों, हजारों मारे गए सनातनियों, जम्मू एवं कश्मीर में अकाल मृत्यु को प्राप्त कश्मीरी भाइयों और अन्य हिन्दू पितरों के लिए गोमती तट पर पितृ तर्पण व दीपदान आगामी 25 सितंबर यानी पितृ पक्ष अमावस्या के दिन शाम चार बजे झूलेलाल वाटिका, गोमती तट पर होगा। महा दीपदान का आयोजन दंडी स्वामी श्रीराम आश्रम महाराज के सानिध्य में होगा। यह पिंडदान उन आत्माओं को समर्पित होगा जिनका पिंडदान और तर्पण करने वाला कोई शेष नहीं रहा है।

आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार का आयोजन शायद ही भारत में हुआ हो। दंडी स्वामी श्रीराम आश्रम महाराज ने पितृ तर्पण व दीपदान सनातनी विधि-विधान सहित सनातन परंपरा के अनुसार लखनऊ स्थित लक्ष्मण वाटिका में करने का बीड़ा उठाया है। इस मौके पर शहरवासियों से अपील की गई है कि वे अपने अनाम एवं अनजान पूर्वजों लिए तर्पण एवम पिंडदान करें और उनके लिए एक प्रज्वलित दीप आदि गंगा मां गोमती में प्रवाहित करें। दीपदान एवं तर्पण के कार्यक्रम के पश्चात भंडारे का आयोजन होगा।

दलित परिवार को पीटने के आरोप में सपा नेता धर्मेंद्र गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। औरैया में सपा नेता धर्मेंद्र यादव को दिबियापुर पुलिस ने दलित महिला और उसके परिवार के सदस्यों को मारपीट कर घायल करने के मामले में उसके एक साथी समेत गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में तीन अन्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं जबकि दो अन्य की तलाश की जा रही है।

औरैया पुलिस उपाधीक्षक सुरेंद्र नाथ यादव ने बताया कि 16 सितंबर को उमरसाना गांव में सपा नेता और जिला पंचायत सदस्य धर्मेंद्र यादव ने कूड़ा डालने के विवाद को लेकर दलित महिला और उसके परिवार के सदस्यों को मारपीट कर घायल कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके अब तक 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। धर्मेंद्र की गिरफ्तारी उसके एक अन्य साथी के साथ की गई है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। इससे पहले इसी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार करके जेल भेजे जा चुके हैं।

सोनिया से मिला निष्पक्ष चुनाव का भरोसा कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस में शशि थरूर

- » चुनाव की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर थरूर ने उठाए थे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के कयासों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की। इस दौरान सोनिया गांधी ने उनसे स्पष्ट कर दिया है कि यह पूरी तरह से जेनुइन चुनाव होंगे जिस किसी को भी अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ना है वह मैदान में उतर सकता है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इस दौरान पूरी तरह से पारदर्शिता और निष्पक्षता बरती जाएगी। माना जा रहा है कि इसके बाद थरूर कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस में उतरने को तैयार हैं।

इससे कुछ दिन पहले ही थरूर ने अध्यक्ष पद के चुनाव में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए थे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक शशि थरूर से मुलाकात के दौरान सोनिया गांधी ने उन्हें आश्वस्त किया है कि चुनाव पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष होंगे। माना जा रहा है सोनिया से आश्वासन मिलने के बाद थरूर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। थरूर का पक्ष जानने के लिए संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई। इससे पहले कांग्रेस कह चुकी थी कि पार्टी अध्यक्ष पद के लिए कोई भी दावेदारी कर सकता है। हालांकि इसके लिए उसे कम से कम 10 डेलीगेट्स का समर्थन चाहिए होगा। इससे पहले भी कई कांग्रेस सांसद अध्यक्ष की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर चुके हैं। इसको लेकर पांच कांग्रेस सांसदों ने कांग्रेस के आंतरिक चुनाव पैनल के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री को पत्र लिखा था और पीसीसी डेलीगेट्स की लिस्ट मांगी थी।

मोदी-शाह की रणनीति की खोजनी होगी काट

- » 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 के चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो चुकी हैं। मकसद सबका एक है और वो है बीजेपी को सत्ता से हटाना लेकिन यहां सवाल है पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की रणनीतियों और उनके काम करने के तरीके की काट ढूंढना। ऐसे में सवाल उठता हैं कि विपक्ष कितना मजबूत है 2024 के लिए? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे, उत्कर्ष सिन्हा, प्रो. लक्ष्मण यादव, चिंतक डॉ. सीपी राय और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सुशील दुबे ने कहा कि महाराष्ट्र के बाद बंगाल में सीबीआई ईडी गई। ममता दीदी ने बांध लिया तो भाग गई। नीतीश ने पासा पलट दिया तो

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

वहां से भी ईडी सीबाआई भाग गई। जब जनता चाहती है तो ब्रांड बदल जाता है। सामाजिक न्याय बनाम उग्र हिंदुत्व का चुनाव होगा 24 में।

उत्कर्ष सिन्हा ने हिंदुत्व 24 में चलाएंगे और कोई रास्ता नहीं है। इकोनॉमी माइनस में है। रोजगार नहीं है। यूपी में तमाम नारे हैं पर भर्तियां लगातार कैंसिल हो रही है। सीबीआई और ईडी इतना हो गया कि बिहार, झारखंड व बंगाल में इसका असर तक नहीं पड़ा।

प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा कि सत्ता परिवर्तन हो, इसे विपक्ष कितना चाहता है। विपक्ष के आंतरिक समीकरण होते हैं। वो झुक कर किसी से मिलने पर मजबूर नहीं होते। केरल बनाम पदयात्रा जैसे ढेर सारे समीकरण है कि राहुल गांधी यूपी में दो दिन क्यूं रूक रहे हैं। अखिलेश सड़क पर बैठ गए। तो क्या अखिलेश और नीतीश कुमार के बीच ऐसा कोई तालमेल है, जिसमें कांग्रेस भी शामिल हैं।

डॉ. सीपी राय ने कहा कि 2014 के चुनाव के साल-डेढ़ साल बाद ही लिख दिया था, बोल दिया था कि मैं मोदी को अजेय मानने से इनकार करता हूं। नीतीश कुमार की आत्मा को कई बार ललकारा । नीतीश ने एक लहर पैदा की है पर 24 तक इंतजार करना होगा।

फोटो: सुमित कुमार

यूपी विधानसभा का मानसून सत्र लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मॉनसून सत्र चल रहा है। आज सत्र का दूसरा दिन है। सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव अपनी-अपनी बात रख रहे हैं तो वहीं प्रदेश के विधायक भी अपने-अपने नेताओं का भाषण सुन रहे हैं। सत्र से पहले नेता, विधायक व मंत्री विधानसभा जाते हुए दिखाई दिए तो कईयों ने अभिवादन भी स्वीकार किया।

आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी में खुदाई, मिली पुरानी किताबें

» सफाई मशीन के बाद चोरी हुईं किताबें मिलने का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और रामपुर के नगर विधायक आजम खां और उनके परिवार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। उनके विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम खां के बेहद करीबी दो मित्रों को पुलिस ने जुआ खेलते हुए वायरल हो रहे वीडियो के मामले में 3 दिन पहले ही गिरफ्तार किया था। इनसे हुई पूछताछ में कई गंभीर मामले सामने आए। इसके बाद बीते दिन जौहर यूनिवर्सिटी में जेसीबी से खुदाई करके नगर पालिका रामपुर की एक कीमती सफाई मशीन बरामद की गई थी। इसी क्रम में आज भी कार्रवाई हुई है।

आरोपियों की निशानदेही पर आज पुलिस में यूनिवर्सिटी कैंपस बिल्डिंग में बनी लिफ्ट शाफ्ट में छुपा कर रखी गई बेहद कीमती किताबों को बरामद किया है। रिमांड पर लिए गए अनवार और सालिम के साथ पुलिस ने यूनिवर्सिटी की कई इमारतों में तलाशी अभियान चलाया। परिसर में कई जगह खुदाई भी की गई। पुलिस सूत्रों की माने तो सर्च ऑपरेशन में कई ऐसी वस्तुएं मिलीं हैं, जो मिसिंग थीं।

फोटो: 4पीएम

सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को लेकर उत्तर प्रदेश में मनाया जा रहा सेवा पखवाड़ा के तहत पुराने लखनऊ में सराफ़ा मार्केट में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। स्वच्छता अभियान का शुभारम्भ करने नोएडा विधायक पंकज सिंह पहुंचे। उन्होंने झाड़ू लगाकर सभी लोगों अपने आस-पास सफाई रखने को कहा। उन्होंने सबसे अपील की कि स्वच्छता के अभूतपूर्व अभियान में भाग लें और एक स्वच्छ व स्वस्थ भारत बनाने में अपना योगदान दें।

नोएडा में दीवार गिरने से 4 की मौत

8 लोगों को बचाया गया, सीएम योगी ने जताया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में भारी बारिश के दौरान दीवार गिरने के बाद अब नोएडा के सेक्टर-21 स्थित जलवायु विहार में मंगलवार सुबह नाले की निर्माणाधीन दीवार गिरने से वहां काम कर रहे 12 कामगार दीवार के नीचे दब गए। सूचना पर पहुंची सेक्टर-20 कोतवाली पुलिस, फायर ब्रिगेड की टीम ने पांच जेसीबी मदद से मलबे को हटाकर दीवार के नीचे दबे कामगार को बाहर निकाला।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में गंभीर रूप से चार कामगारों को इलाज के लिए अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि बाकी को सुरक्षित मलबे से बाहर निकाला गया है, जिनको

मामूली चोट आई है। नोएडा प्राधिकरण की ओर से सेक्टर-21 स्थित जलवायु विहार सोसायटी के पास नाले की पुरानी दीवार को तोड़कर नई चार दीवार बनाने का काम किया जा रहा है। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे निर्माणाधीन नाले की छह फीट की ऊंची और दस फीट लंबी दीवार गिरने 12 कामगार मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद घटना स्थल के आसपास चीख पुकार मच गई। कंट्रोल रूम पर हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब एक घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मलबे के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में घायल दो कामगार को सेक्टर-27 स्थित कैलाश अस्पताल और दो कामगरों को सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने घायल कामगारों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मृतकों की शिनाख्त का प्रयास कराने में जुटी है। मामूली रूप से घायलों की मरहम पट्टी कराई गई है। घायलों और मृतकों के स्वजन को सूचना दे दी गई है। जिला अस्पताल और कैलाश अस्पताल में घायलों के हाल चाल लेने के लिए स्वजन पहुंच रहे हैं। हादसे की जांच के लिए टीम गठित की गई है।

यूपी में अब जुगाड़ से भर्ती नहीं हो सकेंगे स्कूलों में लिपिक!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सरकार ने वित्तीय सहायता प्राप्त माध्यमिक स्कूलों में लिपिकों की भर्ती में प्रबंधन की मनमनी पर शिंकजा कसा है। प्रदेश सरकार ने अब लिपिकों की भर्ती अपने हाथ में ले ली है।

प्रदेश में एडेड माध्यमिक स्कूल में लिपिकों की भर्ती की प्रक्रिया 24 सितंबर से शुरू की जाएगी जो कि 16 जनवरी 2023 तक चलेगी। सरकार ने इससे पहले भर्ती प्रक्रिया 16 दिसंबर 2022 को पूरी करने की घोषणा की थी। भर्ती के नियमों का शासनादेश 25 नवंबर 2021 को जारी हुआ और चार जुलाई को शासन ने चयन की समय सारिणी घोषित की थी। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश में पहली बार एडेड माध्यमिक स्कूलों में लिपिकों की नियुक्ति प्रक्रिया को अपने हाथ में लिया है। पहली बार सरकार की प्रक्रिया से लिपिकों की भर्ती की जा रही है। इसका लाभ 4512 एडेड स्कलों को मिलेगा। अभी तक इन विद्यालयों के प्रबंधक भर्ती के लिए रिक्त पद की जानकारी नहीं दे रहे थे। जिसके बाद सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को अपने हाथ में लिया है। प्रदेश सरकार लिपिकों की भर्ती आफ लाइन मोड में कराएगी। पहले इसको आनलाइन कराने कराने की योजना थी। सरकार ने अपने माध्यम से रिक्त पदों का ब्यौरा एकत्र किया और भर्ती को प्रारंभ कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।